No. of Printed Pages : 4

RTT-103

M.Phil./Ph.D. IN TRANSLATION STUDIES (COURSE WORK) M.Phil.TT/Ph.D.TT

00352 **Term-End Examination**

December, 2017

RTT-103 : CRITIQUING TRANSLATION

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Attempt* ***five*** *questions. Question no. 8 is* ***compulsory.*** *All questions carry equal marks.*

1. Explain the concepts of Criticism, Interpretation and Critique.

2. Discuss the translations of 'Geetanjali', critiquing any one of the translated texts.

3. Discuss Critiquing Translation as a research pursuit.

4. Elaborate the issues related to 'Translation as Critique'.

5. Describe the concept and dimensions of critiquing translation of identities.

6. Elucidate the critique of translated texts with reference to gender identity.

7. Write a critique of translations of 'Raag Darbari'.

8. Write short notes on any ***two*** of the following :

   (a) Translations of The Second Sex

   (b) Translations of Abhigyan Shakuntalam

   (c) Regional Identities

   (d) Critiquing Translation and Reviewing Translation

आर.टी.टी.-103

अनुवाद अध्ययन में एम.फिल./पीएच.डी.
(कोर्स वर्क) एम.फिल.टीटी/पीएच.डी.टीटी

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2017

आर.टी.टी.-103 : अनुवाद मीमांसा

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

*नोट : **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । प्रश्न सं. 8 **अनिवार्य** है । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

1. आलोचना (क्रिटिसिज़्म), निर्वचन (इंटरप्रेटेशन) और मीमांसा (क्रिटीक) की अवधारणाएँ स्पष्ट कीजिए ।

2. किसी एक अनूदित कृति की मीमांसा सहित 'गीतांजलि' के अनुवादों की चर्चा कीजिए ।

3. शोध कार्य के रूप में 'अनुवाद मीमांसा' पर विचार कीजिए ।

4. 'मीमांसा के रूप में अनुवाद' से संबंधित मुद्दों पर विस्तार से चर्चा कीजिए ।

5. 'अस्मिताओं के अनुवाद की मीमांसा' की अवधारणा और आयामों का वर्णन कीजिए ।

6. जेंडर अस्मिता के संदर्भ में अनूदित कृतियों की मीमांसा पर प्रकाश डालिए ।

7. 'राग दरबारी' की अनुवाद मीमांसा लिखिए ।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

   (क) 'द सेकण्ड सेक्स' के अनुवाद

   (ख) अभिज्ञान शाकुंतलम के अनुवाद

   (ग) क्षेत्रीय अस्मिता

   (घ) अनुवाद मीमांसा और अनुवाद समीक्षा